भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 3388
सोमवार, 9 अगस्त, 2021/18 श्रावण1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

रामायण परिपथ का विकास

3388. श्री सुनील कुमार पिन्टूः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में विशेषरूप से बिहार के सीतामढ़ी में पर्यटन के विकास की प्रगति क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष सीतामढ़ी में रामायण परिपथ के विकास के लिए आवंटित राशि और खर्च की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पुनौरा धाम, सीतामढ़ी में अयोध्या मंदिर की तरह भव्य मंदिर बनाने और क्षेत्र को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पुनौरा धाम, सीतामढ़ी को इस तरह से कब तक विकसित किए जाने की संभावना है; और

(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ) पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने बिहार सहित देश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत 5588.45 करोड़ रु. की कुल राशि से 76, और तीर्थस्थल पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन योजना (प्रशाद) के तहत 1214.19 करोड़ रु की कुल राशि से 37 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। इसके अलावा, 2012-13 के दौरान पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत अभी तक 483.1 करोड़ रु की कुल राशि से पर्यटन अवसंरचना से संबंधित परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई है।

योजनाओं के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है। विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और उन्हें निधि की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई धनराशि के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है। पुनौरा धाम, सीतामढ़ी के लिए कोई भी परियोजना पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

****